भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग

प्रेस विज्ञप्ति
तारीखः 29 दिसंबर, 2025
जारी करने का समय: 1430 घंटे

विषय: (i) पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 31 दिसंबर तक रात/सुबह के घंटों में घना से बहुत घना कोहरा छाए रहने की संभावना है; पूर्वी उत्तर प्रदेश में 01 जनवरी 2026 तक, उसके बाद इसमें कमी आएगी। जम्मू और उत्तरी मध्य प्रदेश में 30 तारीख तक और हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और बिहार में 5 जनवरी तक; अरुणाचल प्रदेश में 31 दिसंबर तक और असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर में 3 जनवरी तक; उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; ओडिशा में 3 जनवरी तक और गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में 31 दिसंबर-03 जनवरी के दौरान और झारखंड में 31 दिसंबर 2025 तक अलग-अलग जगहों पर घना कोहरा छाए रहने की संभावना है।

(ii) उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में 31 दिसंबर तक कोल्ड डे से लेकर गंभीर शीत दिवस की स्थिति रहने की बहुत अधिक संभावना है और हिमाचल प्रदेश में 31 दिसंबर और 01 जनवरी को; उत्तराखंड में 29 और 30 तारीख को; बिहार में 29-31 तारीख के दौरान; झारखंड में 29 दिसंबर को अलग-अलग जगहों पर शीत दिवस की स्थिति रहने की बहुत अधिक संभावना है।

(iii) पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, पश्चिमी मध्य प्रदेश, झारखंड और छत्तीसगढ़ के अलग-अलग हिस्सों में 30 तारीख तक और ओडिशा में 31 दिसंबर तक शीत लहर की स्थिति रहने की बहुत अधिक संभावना है।

(iv) एक पश्चिमी विक्षोभ 30 दिसंबर से पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र और 31 दिसंबर से आस-पास के मैदानी इलाकों को प्रभावित कर सकता है।

पिछले 24 घंटों में हुई मौसम गतिविधि (आज 29 दिसंबर 2025 को सुबह 0830 बजे IST तक):

- जम्मू क्षेत्र, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, उत्तर प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश और चंडीगढ़ के कुछ हिस्सों में घना से बहुत घना कोहरा (विजिबिलिटी <50 मीटर) छाया रहा। घना कोहरा (विजिबिलिटी 50-199 मीटर): दिल्ली के अधिकांश स्थानों, असम और मेघालय, गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा और पूर्वी मध्य प्रदेश के कुछ इलाकों में देखा गया।
- मीटर में विजिबिलिटी रिपोर्ट की गई (≤200 m): जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद: जम्मू (50), उधमपुर (अवंतीपोरा (200); हिमाचल प्रदेश: बिलासपुर (40m), मंडी (100m); उत्तराखंड: रोशनबाद (30m), देहरादून (50m), खटीमा (75 M), जॉलीग्रांट (100 M); पंजाब: अमृतसर (0 M), आदमपुर (0 M), हलवारा (0 M), गुरदासपुर (10 M), लुधियाना (10 M), पठानकोट (0 M), पटियाला (20 M), बठिंडा (<50m), बल्लोवाल (20M), सौंकरी (30M); हरियाणा चंडीगढ़ और दिल्ली: चंडीगढ़ (30 M), चंडीगढ़ IAF (0 M), हिसार (40 M), अंबाला (50 M), सफदरजंग और पालम: (50 M) पश्चिम बंगाल और सिक्किम: दम दम (100M); ओडिशा: राउरकेला (50M); पश्चिम उत्तर प्रदेश: सहारनपुर IAF और आगरा IAF-(00M), आगरा ताज-(30M), अलीगढ़ और मेरठ-(40M), नजीबाबाद-(80M); पूर्वी उत्तर प्रदेश: कानपुर (IAF)-(00M), हरदोई-(60M), फतेहगढ़-(70M); पश्चिम मध्य प्रदेश: ग्वालियर-(00M), दतिया - (50 M); पूर्वी मध्य प्रदेश: दमोह-(50 M), खजुराहो- (100M), नौगांव - (200M), उमरिया - (200M)

- उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश में अलग-अलग/कुछ जगहों पर कोल्ड डे से लेकर गंभीर शीत दिवस की स्थिति देखी गई; झारखंड और बिहार के अलग-अलग इलाकों में शीत दिवस की स्थिति देखी गई।
- पंजाब, चंडीगढ़, छत्तीसगढ़, झारखंड, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक और मध्य प्रदेश में अलग-अलग जगहों पर शीत लहर की स्थिति देखी गई।

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान एवं चेतावनी (अनुलग्नक I एवं II देखें):

- मध्य ट्रोपोस्फेरिक पछुआ हवाओं में एक नया पश्चिमी विक्षोभ, जिसका अक्ष मध्य ट्रोपोस्फेरिक स्तर पर है, लगभग देशांतर 52°E के साथ अक्षांश 30°N के उत्तर में चल रहा है।
- औसत समुद्र तल से 12.6 किमी ऊपर 155 समुद्री मील की मुख्य हवाओं वाली उपोष्णकटिबंधीय पछुआ जेट स्ट्रीम दक्षिण राजस्थान के ऊपर बनी हुई है।
- पूर्वी हवाओं में एक द्रोणिका निचले ट्रोपोस्फेरिक स्तर पर दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी के ऊपर 87°E के साथ 10°N के दक्षिण में चल रही है।

इन प्रणालियों के प्रभाव में, निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

- 30 दिसंबर से 02 जनवरी के दौरान जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद में हल्की/मध्यम बारिश/बर्फबारी होने की बहुत ज़्यादा संभावना है और 30 दिसंबर से 02 जनवरी के दौरान हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में कुछ जगहों पर हल्की/मध्यम बारिश/बर्फबारी हो सकती है।
- 29 और 30 तारीख को पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़ और पश्चिमी राजस्थान में और 01 जनवरी को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कुछ जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।
- 29 से 31 दिसंबर के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में तेज़ हवाओं (30-40 किमी प्रति घंटा) के साथ कुछ जगहों पर गरज-चमक और बिजली गिरने की संभावना है।

पिछले 24 घंटों में तापमान की स्थिति (आज सुबह 0830 बजे IST तक):

- कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद में कई जगहों पर न्यूनतम तापमान 5°C से नीचे था; हिमाचल प्रदेश में कुछ जगहों पर; उत्तराखंड, मध्य प्रदेश, उत्तरी राजस्थान में; ओडिशा, उत्तर प्रदेश, मराठवाड़ा और छत्तीसगढ़ में कुछ जगहों पर; बिहार, गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, विदर्भ, मेघालय और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में अलग-अलग जगहों पर कई जगहों पर 5°-10°C के बीच था।
- पूर्वी मध्य प्रदेश के केंद्रीय हिस्सों में; उत्तरी आंतरिक ओडिशा, तेलंगाना में अलग-अलग जगहों पर अलग-अलग जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से काफी कम (-5.0°C से -3.1°C) था। (अनुलग्नक IV देखें)
- भारत के मैदानी इलाकों में सबसे कम न्यूनतम तापमान 2.1°C हिसार (हरियाणा) में दर्ज किया गया।

न्यूनतम तापमान का पूर्वानुमान:

- अगले 3 दिनों के दौरान उत्तर-पश्चिम भारत में न्यूनतम तापमान में 3-4°C की धीरे-धीरे बढ़ोतरी होगी और उसके बाद अगले 4 दिनों तक 3-4°C की गिरावट आएगी।
- अगले 5 दिनों के दौरान मध्य भारत में न्यूनतम तापमान में 2-3°C की धीरे-धीरे बढ़ोतरी होने की संभावना है और उसके बाद कोई खास बदलाव नहीं होगा।
- पूर्वी भारत में अगले 2 दिनों तक न्यूनतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है, उसके बाद अगले 3 दिनों तक 2-3°C की धीरे-धीरे बढ़ोतरी होगी और झारखंड में अगले 24 घंटों तक कोई खास बदलाव नहीं होगा, उसके बाद अगले 6 दिनों तक 2-3°C की बढ़ोतरी होगी।
- गुजरात राज्य में अगले 3 दिनों तक न्यूनतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है और उसके बाद अगले 4 दिनों तक 2-3°C की कमी आएगी और उत्तरी महाराष्ट्र में अगले 2 दिनों तक न्यूनतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है और उसके बाद अगले 5 दिनों तक 2-3°C की गिरावट आएगी।
- देश के बाकी हिस्सों में अगले 7 दिनों के दौरान न्यूनतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है।

घने कोहरे, शीतलहर और शीत दिवस की चेतावनी:

- हरियाणा, चंडीगढ़, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और पंजाब में 31 दिसंबर; पूर्वी उत्तर प्रदेश में 01 जनवरी तक; ओडिशा में 31 दिसंबर से 02 जनवरी 2026 तक तक रात/सुबह के घंटों में बहुत घना कोहरा छाए रहने की बहुत संभावना है।
- जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद और मध्य प्रदेश के अलग-अलग इलाकों में 30 तारीख तक; हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा चंडीगढ़, उत्तर प्रदेश और बिहार में 5 जनवरी तक; दिल्ली में 31 दिसंबर तक; अरुणाचल प्रदेश में 31 दिसंबर तक और असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 3 जनवरी तक; उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; ओडिशा में 3 जनवरी तक और गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में 31 दिसंबर से 03 जनवरी तक और झारखंड में 31 दिसंबर 2025 तक रात/सुबह के घंटों में घना कोहरा छाए रहने की भी संभावना है।
- उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में 29 दिसंबर को बहुत ठंड वाले दिन की स्थिति रहने की बहुत संभावना है और हिमाचल प्रदेश में 31 दिसंबर और 01 जनवरी को; उत्तराखंड में 29 और 30 तारीख को; बिहार में 29-31 तारीख के दौरान; झारखंड में 29 तारीख को; पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 29 और 30 तारीख को और पूर्वी उत्तर प्रदेश में 29-31 दिसंबर 2025 के दौरान अलग-अलग इलाकों में ठंड वाले दिन की स्थिति रहने की बहुत संभावना है।
- पंजाब, हरियाणा चंडीगढ़, पश्चिमी मध्य प्रदेश, झारखंड और छत्तीसगढ़ के अलग-अलग इलाकों में 30 तारीख तक; ओडिशा में 31 तारीख तक और हिमाचल प्रदेश में 01-03 जनवरी 2026 के दौरान शीत लहर की स्थिति रहने की बहुत संभावना है।

मछुआरों की चेतावनी:

- मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे 29 दिसंबर से 03 जनवरी, 2026 के दौरान निम्नलिखित क्षेत्रों में न जाएं:
  बंगाल की खाड़ी: 29 से 30 दिसंबर के दौरान कोमोरिन क्षेत्र से सटे मन्नार की खाड़ी के ऊपर न जाएं।

दिल्ली/एनसीआर में 29 दिसंबर-01 जनवरी 2025 तक मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक III)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forcast_bulletin.php

जिला-वार चेतावनियों के लिए: https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

मछुआरों की चेतावनी के लिए: https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php

अनुलग्नक ।

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	29- Dec	30- Dec	31- Dec	1- Jan	2- Jan	3- Jan	4- Jan
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	FWS	SCT	SCT	ISOL	DRY	DRY	DRY
2	ARUNACHAL PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY
3	ASSAM & MEHGHALAYA	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	ISOL	ISOL
6	GANGETIC WEST BENGAL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
7	ODISHA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
8	JHARKHAND	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
9	BIHAR	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
10	EAST UTTAR PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
11	WEST UTTAR PRADESH	DRY	DRY	DRY	ISOL	DRY	DRY	DRY
12	UTTARAKHAND	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	DRY	DRY	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY
14	PUNJAB	DRY	DRY	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY
15	HIMACHAL PRADESH	DRY	ISOL	FWS	SCT	ISOL	DRY	DRY
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	ISOL	SCT	FWS	FWS	SCT	ISOL	DRY
17	WEST RAJASTHAN	DRY	DRY	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY
18	EAST RAJASTHAN	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
19	WEST MADHYA PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
20	EAST MADHYA PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
21	GUJRAT REGION	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
22	SAURASHTRA & KUTCH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
23	KONKAN & GOA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
24	MADHYA MAHARASHTRA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
25	MARATHWADA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
26	VIDARBHA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
27	CHHATTISGARH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
29	TELANGANA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
30	RAYALASEEMA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	DRY	DRY	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY
35	KERALA AND MAHE	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
36	LAKSHADWEEP	DRY	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।

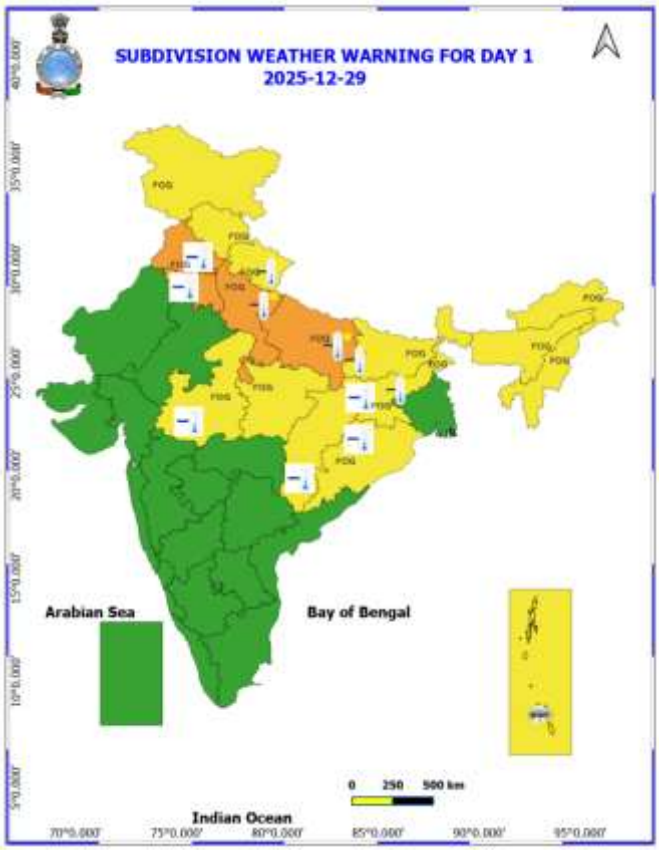
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 1
2025-12-29
FOG
Arabian Sea
Bay of Bengal
0 250 500 km
Indian Ocean

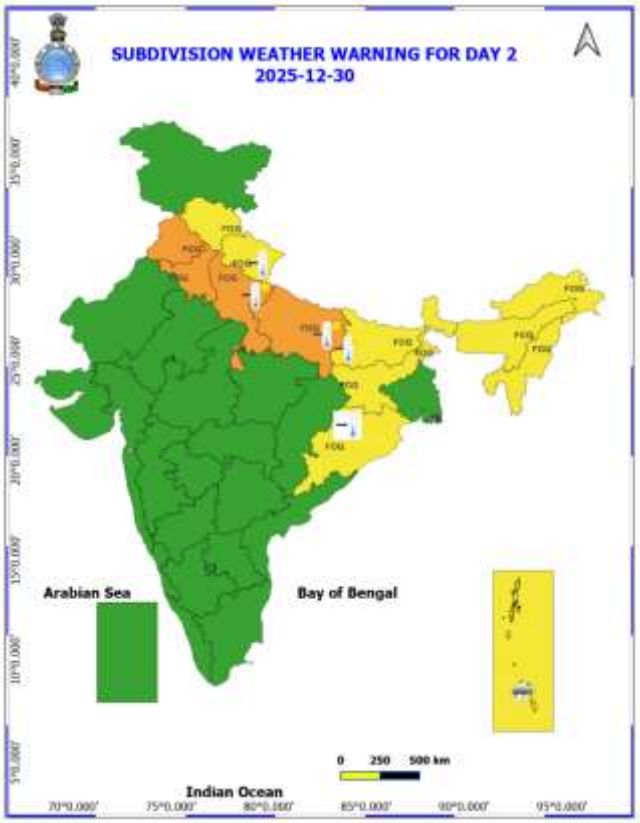
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 2
2025-12-30
FOG
Arabian Sea
Bay of Bengal
0 250 500 km
Indian Ocean

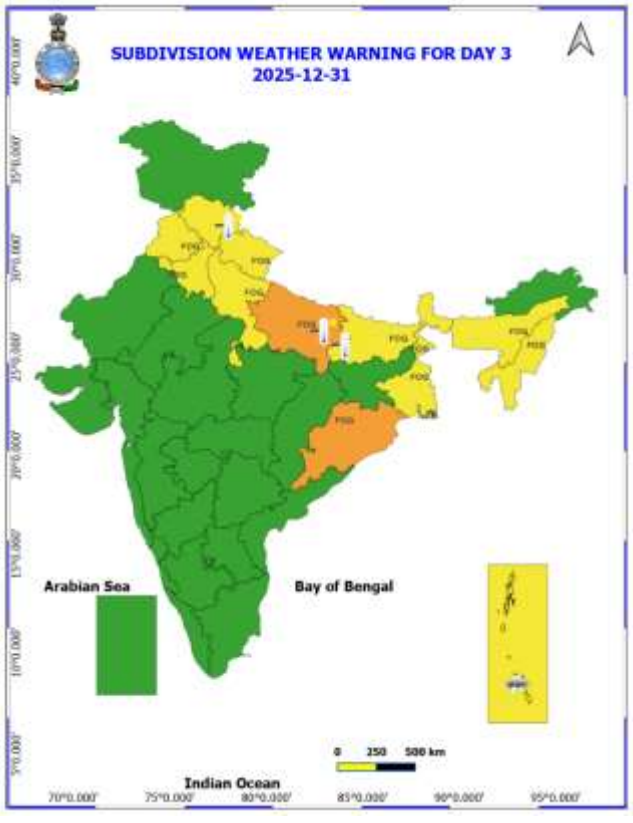
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 3
2025-12-31
FOG
Arabian Sea
Bay of Bengal
0 250 500 km
Indian Ocean

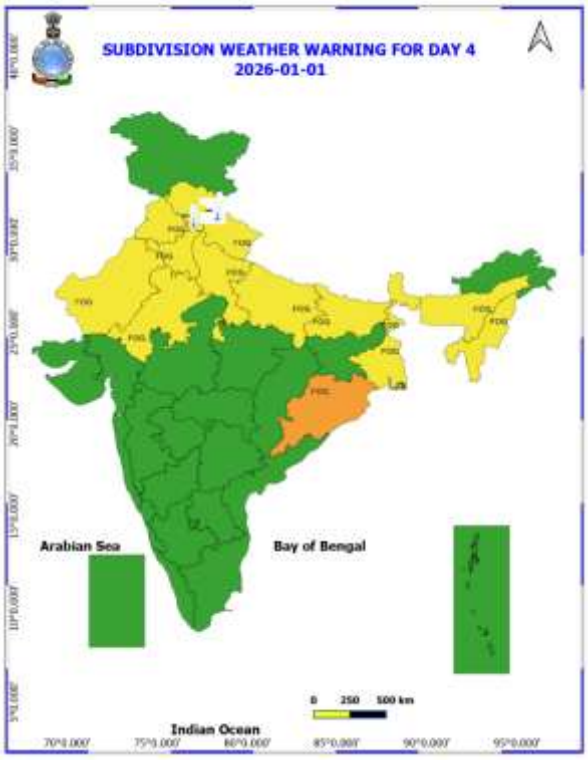

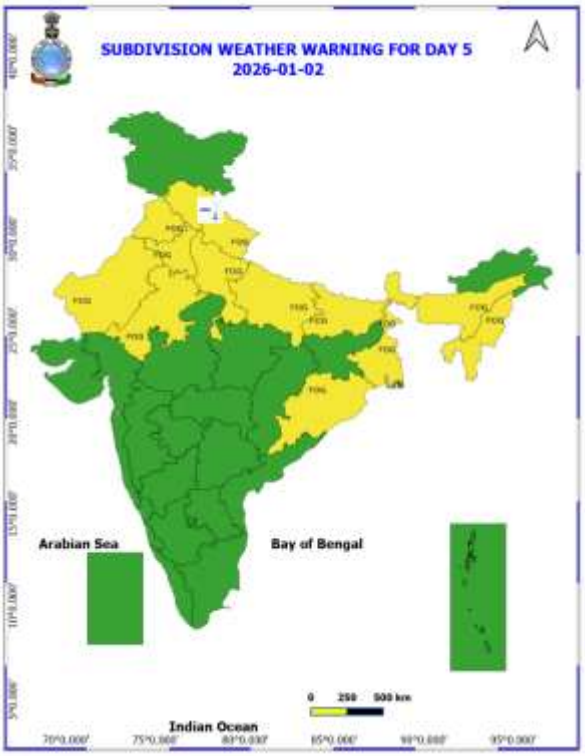

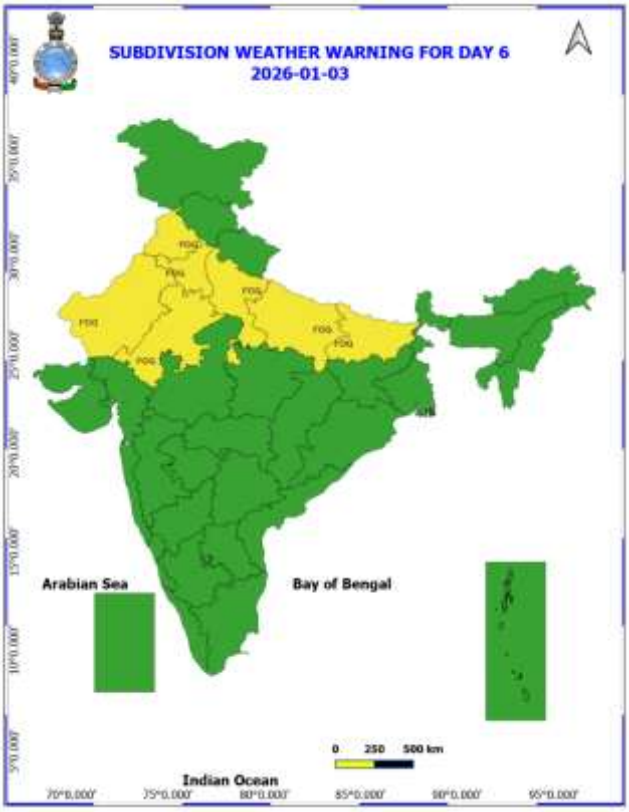

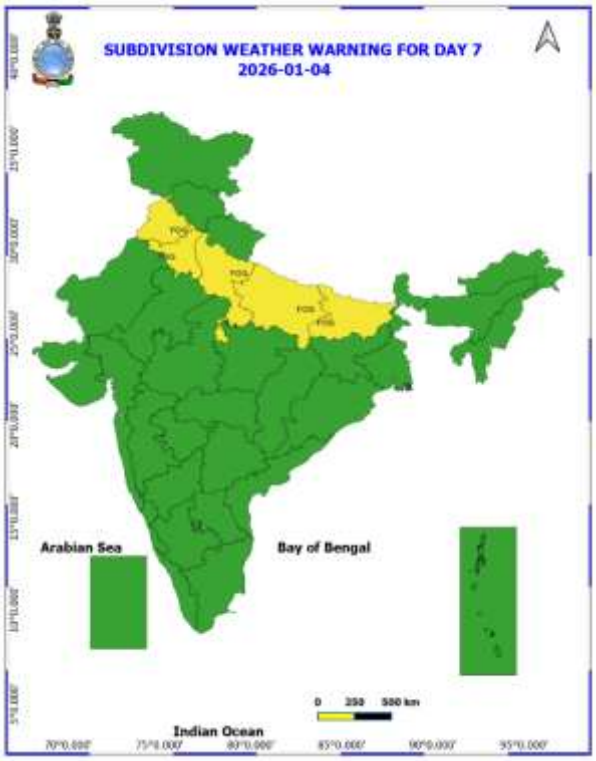

- **नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।**
- **असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।**
- **जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।**

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

अनुलग्नक III

29 दिसंबर-01 जनवरी 2025 के दौरान दिल्ली/NCR का मौसम पूर्वानुमान

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में न्यूनतम तापमान में 01-04°C तक की काफी बढ़ोतरी हुई है और अधिकतम तापमान में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 19°C से 23°C और 08°C से 10°C के आसपास रहा। दिल्ली के ज़्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से ज़्यादा (1.6 से 3.0°C) है। दिल्ली के कई जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से ज़्यादा (1.6 से 3.0°C) और बाकी जगहों पर सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। सफदरजंग में 0330 से 0830 IST तक सबसे कम विज़िबिलिटी 050m रही, जो इसके बाद आज, 29.12.2025 को 0900 IST पर 100m हो गई। पालम में 0230 से 0800 IST तक सबसे कम विज़िबिलिटी 050m रही, जो इसके बाद आज, 29.12.2025 को 0830 IST पर 100m हो गई। पिछले 24 घंटों के दौरान मुख्य रूप से आसमान साफ रहा, मध्यम से घना कोहरा छाया रहा, सतह पर हवा मुख्य रूप से पश्चिमी दिशा से 10kmph तक की गति से चली। आज सुबह क्षेत्र में आंशिक रूप से बादल छाए रहे, मध्यम से घना कोहरा छाया रहा और हवा उत्तर-पश्चिम दिशा से 15kmph तक की गति से चली।

मौसम पूर्वानुमान:

29.12.2025: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। रात में स्मॉग/हल्का कोहरा रहेगा। अधिकतम तापमान 19°C से 21°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान सामान्य के आसपास रहेगा। दोपहर के समय सतह पर हवा मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिम दिशा से 16kmph से कम गति से चलने की संभावना है। शाम और रात में हवा की गति कम हो जाएगी, जो उत्तर-पश्चिम दिशा से 10 kmph से कम हो जाएगी। क्षेत्र के कुछ इलाकों में ठंडा दिन रहने की संभावना है।

30.12.2025: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। सुबह के समय कई जगहों पर हल्का कोहरा और कुछ जगहों पर घना कोहरा रहेगा। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 21°C से 23°C और 7°C से 9°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक (0.2°C से 2.2°C) और अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक (0.6°C से 2.6°C) रहेगा। सुबह के समय हवा पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा से चलने की संभावना है, जिसकी गति 15 किमी प्रति घंटे से कम रहेगी। दोपहर में भी हवा की गति पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा से समान रहेगी। शाम और रात में हवा की गति कम हो जाएगी, और पश्चिम दिशा से 10 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी।

31.12.2025: आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। सुबह के समय कई जगहों पर हल्का कोहरा और कुछ जगहों पर घना कोहरा रहेगा। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 23°C से 25°C और 7°C से 9°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक (0.2°C से 2.2°C) और अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक (2.2°C से 4.2°C) रहेगा। सुबह के समय हवा पश्चिम दिशा से चलने की संभावना है, जिसकी गति 12 किमी प्रति घंटे से कम रहेगी। दोपहर में हवा की गति उत्तर दिशा से समान रहेगी। शाम/रात में हवा की गति उत्तर-पूर्व दिशा से समान रहेगी।

01.01.2026: आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। कुछ जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश की संभावना है। सुबह के समय हल्का से मध्यम कोहरा रहेगा। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 18°C से 20°C और 10°C से 12°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक (3.1°C से 5.1°C) रहेगा, और अधिकतम तापमान दिल्ली में सामान्य के आसपास रहेगा। ज़्यादातर सतह पर हवा उत्तर-पूर्व दिशा से चलने की संभावना है, हवा की गति धीरे-धीरे बढ़ेगी और सुबह के समय 05 किमी प्रति घंटे तक पहुँच जाएगी। दोपहर में हवा की गति उत्तर-पूर्व दिशा से उतनी ही रहेगी और शाम/रात में उत्तर दिशा से 05 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी।

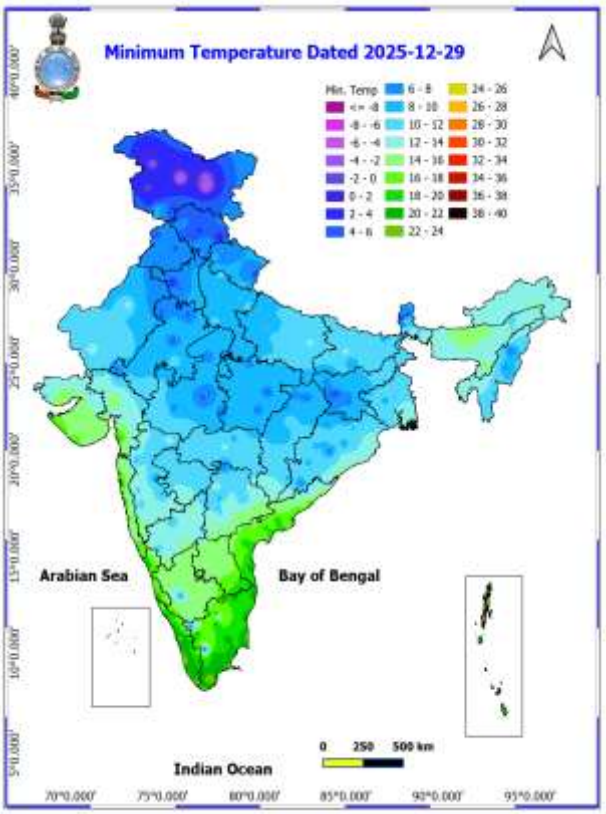

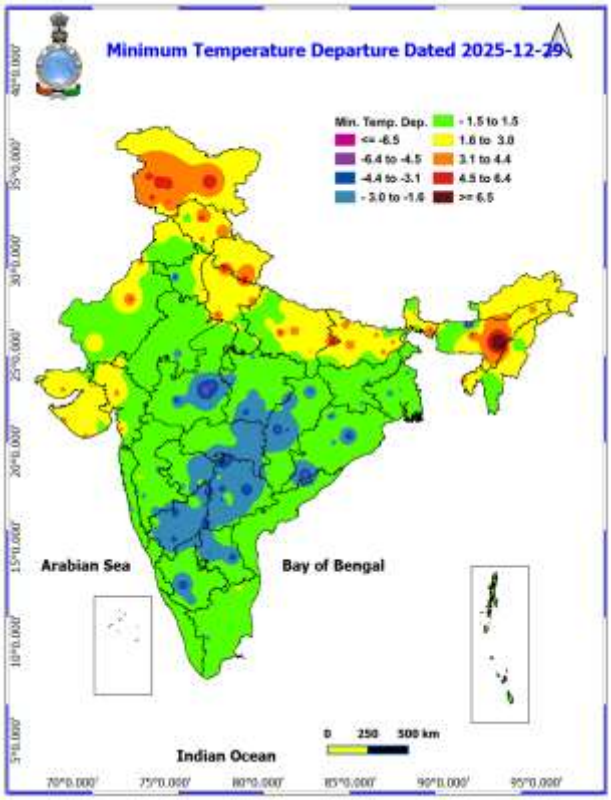

रात/सुबह के समय घने/बहुत घने कोहरे के कारण प्रभाव पड़ने की आशंका है:

- ❖ हरियाणा, चंडीगढ़, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और पंजाब में 31 दिसंबर तक; पूर्वी उत्तर प्रदेश में 1 जनवरी तक; ओडिशा में 31 दिसंबर से 2 जनवरी तक रात/सुबह के घंटों में बहुत घना कोहरा छाए रहने की बहुत ज़्यादा संभावना है।
- ❖ जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद और मध्य प्रदेश में 30 तारीख तक; हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा चंडीगढ़, उत्तर प्रदेश और बिहार में 5 जनवरी तक; दिल्ली में 31 दिसंबर तक; अरुणाचल प्रदेश में 31 दिसंबर तक और असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 3 जनवरी तक; उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; ओडिशा में 3 जनवरी तक और गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में 31 दिसंबर से 3 जनवरी तक और झारखंड में 31 दिसंबर 2025 तक रात/सुबह के घंटों में कुछ जगहों पर घना कोहरा छाए रहने की भी संभावना है।

❖ परिवहन और विमानन:

- मौसम उप-विभाग के अंतर्गत आने वाले कुछ हवाई अड्डों, राजमार्गों और रेलवे मार्गों पर इसका प्रभाव पड़ सकता है।
- यातायात कठिन हो सकता है और यात्रा में अधिक समय लग सकता है।
- एहतियाती उपाय न अपनाने पर सड़क दुर्घटनाएं हो सकती हैं।

❖ बिजली क्षेत्र:

- बहुत घने कोहरे वाले मार्गों में बिजली लाइनों के ट्रिप होने की संभावना।

❖ मानव स्वास्थ्य:

• फेफड़ों से संबंधित स्वास्थ्य प्रभाव: घने कोहरे में कणिका तत्व और अन्य प्रदूषक होते हैं और इनके संपर्क में आने पर ये फेफड़ों में जमा हो जाते हैं, उन्हें अवरुद्ध कर देते हैं और उनकी कार्यात्मक क्षमता को कम कर देते हैं जिससे घरघराहट, खांसी और सांस लेने में तकलीफ बढ़ जाती है।

• अस्थमा, ब्रोंकाइटिस से पीड़ित लोगों पर प्रभाव: लंबे समय तक घने कोहरे के संपर्क में रहने से अस्थमा, ब्रोंकाइटिस और फेफड़ों से संबंधित अन्य स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित लोगों को सांस लेने में समस्या हो सकती है।

• आँखों में जलन: घने कोहरे में विभिन्न प्रकार के प्रदूषण होते हैं और हवा में मौजूद ये प्रदूषक आँखों की झिल्लियों में जलन पैदा कर सकते हैं जिससे विभिन्न संक्रमण हो सकते हैं जिससे आँखों में लालिमा या सूजन आ सकती है।

सुझाई गई कार्रवाई:

❖ परिवहन और विमानन:

- वाहन चलाते समय या किसी भी परिवहन से यात्रा करते समय सावधान रहें।
- वाहन चलाते समय फॉग लाइट का प्रयोग करें।
- अपनी यात्रा के कार्यक्रम के लिए एयरलाइन, रेलवे और राज्य परिवहन से संपर्क में रहें।

❖ विद्युत क्षेत्र:

- रखरखाव टीम को तैयार रखना।
- मानव स्वास्थ्य: आपातकालीन स्थिति को छोड़कर बाहर जाने से बचना और चेहरा ढकना चाहिए।

शीत लहर की परिस्थितियों के कारण संभावित प्रभाव: पंजाब, हरियाणा चंडीगढ़, पश्चिम मध्य प्रदेश, झारखंड और छत्तीसगढ़ के कुछ इलाकों में 30 तारीख तक; ओडिशा में 31 तारीख तक और हिमाचल प्रदेश में 01 से 03 जनवरी 2026 के दौरान शीतलहर चलने की बहुत ज़्यादा संभावना है।

- लंबे समय तक ठंड के संपर्क में रहने से फ्लू, नाक बहना/बंद होना या नाक से खून आना जैसी कई बीमारियों की संभावना बढ़ जाती है।
- कंपकंपी को नज़रअंदाज़ न करें। यह पहला संकेत है कि शरीर से गर्मी निकल रही है। घर के अंदर चले जाएं।
- लंबे समय तक ठंड के संपर्क में रहने से फ्रॉस्टबाइट हो सकता है। त्वचा पीली, सख्त और सुन्न हो जाती है और अंततः उंगलियों, पैर की उंगलियों, नाक और कान के निचले हिस्से जैसे खुले शरीर के अंगों पर काले छाले दिखाई देने लगते हैं। गंभीर फ्रॉस्टबाइट के लिए तत्काल चिकित्सा सहायता और उपचार की आवश्यकता होती है।
- कुछ स्थानों पर कृषि, फसल, पशुधन, जल आपूर्ति, परिवहन और बिजली क्षेत्र प्रभावित हो सकते हैं।

सुझावित उपाय:

- ❖ ढीले-ढाले, हल्के और गर्म ऊनी कपड़ों की कई परतें पहनें।
- ❖ अपने सिर, गर्दन, हाथों और पैरों को अच्छी तरह ढकें, क्योंकि शरीर के अधिकांश अंग इन्हीं से ऊष्मा खोते हैं। एक भारी कपड़े की परत के बजाय ढीले-ढाले, हल्के और गर्म ऊनी कपड़ों की कई परतें पहनें।
- ❖ पर्याप्त रोग प्रतिरोधक क्षमता बनाए रखने के लिए विटामिन-सी से भरपूर फल और सब्जियां खाएं और पर्याप्त मात्रा में तरल पदार्थ, अधिमानतः गर्म तरल पदार्थ पिएं।
- ❖ बाहरी गतिविधियों से बचें या उन्हें सीमित करें।
- ❖ शरीर को सूखा रखें; यदि गीला हो जाए, तो शरीर की ऊष्मा को कम होने से बचाने के लिए तुरंत कपड़े बदल लें। ऊष्मारोधी/जलरोधक जूते पहनें।
- ❖ शरीर के प्रभावित हिस्से को गुनगुने पानी से धीरे-धीरे गर्म करें; त्वचा को ज़ोर से न रगड़ें।
- ❖ यदि प्रभावित त्वचा का रंग काला पड़ जाए, तो तुरंत डॉक्टर से परामर्श लें।
- ❖ जहरीले धुएं को सांस में लेने से बचने के लिए हीटर का उपयोग करते समय वेंटिलेशन बनाए रखें।
- ❖ बिजली और गैस से चलने वाले हीटिंग उपकरणों का उपयोग करते समय सुरक्षा उपाय करें।
- ❖ संवेदनशील व्यक्तियों के लिए विशेष सावधानी आवश्यक है।
- ❖ ठंड से जमने/शीघ्रता से ग्रस्त व्यक्ति को यथाशीघ्र चिकित्सा सहायता लेनी चाहिए।
- ❖ पशुधन को ठंड से बचाएं।

शीत दिवस की परिस्थितियों के कारण संभावित प्रभाव: 29 दिसंबर को उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में बहुत ज़्यादा ठंड पड़ने की संभावना है और 31 दिसंबर और 01 जनवरी को हिमाचल प्रदेश के अलग-अलग इलाकों में, 29 और 30 तारीख को उत्तराखंड में, 29 से 31 तारीख के दौरान बिहार में, 29 तारीख को झारखंड में, 29 और 30 तारीख को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में और 29 से 31 दिसंबर 2025 के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश में ठंड पड़ने की संभावना है।

- लंबे समय तक ठंड के संपर्क में रहने से फ्लू, नाक बहना/बंद होना या नाक से खून आना जैसी कई बीमारियों की संभावना बढ़ जाती है।
- कंपकंपी को नज़रअंदाज़ न करें। यह पहला संकेत है कि शरीर से गर्मी निकल रही है। घर के अंदर चले जाएं।
- लंबे समय तक ठंड के संपर्क में रहने से फ्रॉस्टबाइट हो सकता है। त्वचा पीली, सख्त और सुन्न हो जाती है और अंततः उंगलियों, पैर की उंगलियों, नाक और कान के निचले हिस्से जैसे खुले शरीर के अंगों पर काले छाले दिखाई देने लगते हैं। गंभीर फ्रॉस्टबाइट के लिए तत्काल चिकित्सा सहायता और उपचार की आवश्यकता होती है।
- कुछ स्थानों पर कृषि, फसल, पशुधन, जल आपूर्ति, परिवहन और बिजली क्षेत्र प्रभावित हो सकते हैं।

सुझावित उपाय:

- ढीले-ढाले, हल्के और गर्म ऊनी कपड़ों की कई परतें पहनें।
- अपने सिर, गर्दन, हाथों और पैरों को अच्छी तरह ढकें, क्योंकि शरीर के अधिकांश अंग इन्हीं से ऊष्मा खोते हैं। एक भारी कपड़े की परत के बजाय ढीले-ढाले, हल्के और गर्म ऊनी कपड़ों की कई परतें पहनें।
- पर्याप्त रोग प्रतिरोधक क्षमता बनाए रखने के लिए विटामिन-सी से भरपूर फल और सब्जियां खाएं और पर्याप्त मात्रा में तरल पदार्थ, अधिमानतः गर्म तरल पदार्थ पिएं।
- बाहरी गतिविधियों से बचें या उन्हें सीमित करें।
- शरीर को सूखा रखें; यदि गीला हो जाए, तो शरीर की ऊष्मा को कम होने से बचाने के लिए तुरंत कपड़े बदल लें। ऊष्मारोधी/जलरोधक जूते पहनें।
- शरीर के प्रभावित हिस्से को गुनगुने पानी से धीरे-धीरे गर्म करें; त्वचा को ज़ोर से न रगड़ें।
- यदि प्रभावित त्वचा का रंग काला पड़ जाए, तो तुरंत डॉक्टर से परामर्श लें।
- जहरीले धुएं को सांस में लेने से बचने के लिए हीटर का उपयोग करते समय वेंटिलेशन बनाए रखें।
- बिजली और गैस से चलने वाले हीटिंग उपकरणों का उपयोग करते समय सुरक्षा उपाय करें।
- संवेदनशील व्यक्तियों के लिए विशेष सावधानी आवश्यक है।
- ठंड से जमने/शीघ्रता से ग्रस्त व्यक्ति को यथाशीघ्र चिकित्सा सहायता लेनी चाहिए।
- पशुधन को ठंड से बचाएं।

ठंडी हवाओं / कम तापमान के संभावित असर के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- पंजाब, हरियाणा, पश्चिम मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा और झारखंड में, फसलों को कम तापमान के तनाव से बचाने के लिए शाम को खड़ी फसलों में हल्की और बार-बार सिंचाई करें। मिट्टी का सही तापमान बनाए रखने के लिए मल्चिंग का इस्तेमाल करें और सब्जियों की नर्सरी और छोटे फलों के पौधों को पुआल/पॉलिथीन शीट से ढक दें।
- पशुधन / मुर्गी पालन
- मवेशियों को रात में शेड के अंदर रखें और उन्हें ठंड से बचाने के लिए सूखा बिस्तर दें।
- पोल्ट्री शेड में आर्टिफिशियल लाइट लगाकर चूजों को गर्म रखें।

आंधी/तेज हवाओं के संभावित असर के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- तेज हवाओं से गिरने से बचाने के लिए बागवानी फसलों को मैकेनिकल सपोर्ट दें और सब्जियों और छोटे फलों के पौधों/फल देने वाले पौधों को सहारा दें।

किंवदंतियाँ एवं संक्षिप्ताक्षर:

- **भारी वर्षा:** 64.5-115.5 मिमी; **बहुत भारी वर्षा:** 115.6-204.4 मिमी; **अत्यधिक भारी वर्षा: >**204.4 मिमी।

मौसम विज्ञान उप-विभागों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- **उत्तर-पश्चिम भारत:** पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- **मध्य भारत:** पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- **पूर्वी भारत:** बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- **पूर्वोत्तर भारत:** अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- **पश्चिम भारत:** गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठावाड़ा।
- **दक्षिण भारत:** तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप

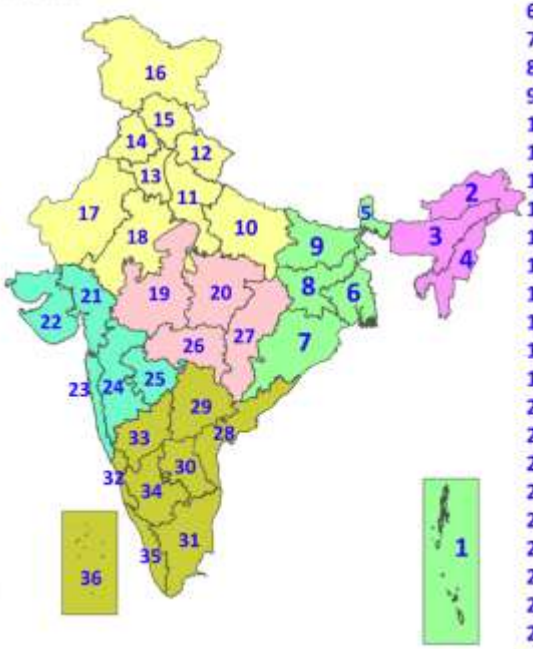

1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

Fog
Heavy Rain
Very Heavy Rain
Extremely Heavy Rain
Thunder & Lightning
Hailstorm
Dust Raising Winds

Heavy Snow
Dust Storm
Heat Wave
Warm Night
Hot Day
Hot & Humid
Strong Surface Winds

Cold Wave
Cold Day
Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)